



**ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT**

Highlights of Press Briefing

16 August, 2020

Shri Ajay Maken, Senior Spokesperson, AICC; Shri Praveen Chakravarty, Chairperson - Data Analytics Department, AICC and Shri Rohan Gupta, Chairman, Social Media Department, AICC addressed the media via video conferencing today.

श्री अजय माकन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब लोगों का इस पत्रकार गोष्ठी में बहुत-बहुत स्वागत है।

हमारी आजादी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अमेरिका के अंदर 'The Wall Street Journal' ने अपने फ्रंट पेज के ऊपर एक आर्टिकल छपा, जिसका असर पूरी दुनिया में है और उस आर्टिकल की हैडलाइन है, मैं आपको बताना चाहूंगा, आपने उसको जरूर देखा होगा, कोट में है "Facebook's Hate-Speech Rules Collide With Indian Politics", यानि फेसबुक के जो घृणा से संबंधित कानून हैं, वो भारतीय राजनीति के परस्पर विरोध में खड़े हैं और ये भारत के स्वतंत्रता दिवस के दिन ये आर्टिकल अगर आता है, तो हम सब लोगों के लिए चौंकाने की बात तो है ही है, साथ में बड़े दुख की बात है। इस आर्टिकल के अंदर कुछ सेंटेंस पढ़कर सुनाना चाहता हूँ, अपनी बात आगे रखने से पहले और ये बड़े चौंकाने वाली बात कही हैं, चौंकाने की बातें शायद प्रवीन चक्रवर्ती जी और रोहन गुप्ता जी के लिए नहीं हों, क्योंकि ये लोग उनसे डिल(deal) करते रहे और उनको मालूम है, लेकिन बहुत सारे लोगों के लिए चौंकाने वाली बात होगी।

मैं इसको कोट करना चाहता हूँ- "Facebook Inc. employees charged with policing the platform were watching. By March of this year, they concluded Mr. Singh not only had violated the company's hate-speech rules but qualified as dangerous, a designation that takes into account a person's off-platform activities, according to current and former Facebook employees familiar with the matter. Given India's history of communal violence and recent religious tensions, they argued, his rhetoric could lead to real-world violence, and he should be permanently banned from the company's platforms world-wide."

ये उन्होंने कहा, लेकिन आगे "The company's top public-policy executive in the country, Ankhi Das, opposed applying the hate-speech rules to Mr. Singh". ये बहुत महत्वपूर्ण है, वो कहते हैं कि "The company's top public-policy executive in the

country, Ankhi Das, opposed applying the hate-speech rules to Mr. Singh and at least three other Hindu nationalist individuals and groups flagged internally for promoting or participating in violence, said the current and former employees.”

आगे जो है, बहुत इंटरैस्टिंग बात कही है, और आगे “Ms. Das, whose job also includes lobbying India’s government on Facebook’s behalf, told staff members that punishing violations by politicians from Mr. Modi’s party would damage the company’s business prospects in the country,” अब जो इसके अंदर है, दो-तीन चीजें सामने निकल कर आती हैं, वो बड़ी साफ हैं कि जिस वक्त रुलिंग भारतीय जनता पार्टी से संबंधित कुछ लोगों के पोस्ट के बारे में इनकी पुलिसिंग करने वाले डिपार्टमेंट, जो फेसबुक के अपने इंटरनल हेट स्पीच को देखकर, उनको चिन्हित करके उसके खिलाफ एक्शन लेने वाला जो इनका विभाग है, तो उन्होंने पाया कि कम से कम चार ऐसे लोग हैं, जो दुर्भावना फैला रहे हैं, घृणा से त्ना रहे हैं, जिससे भारत के अंदर टेंशन हो सकता है और एक तरीके से जमीन के ऊपर उसका असर हो सकता है, वॉयलेंस हो सकता है तो उनको बैन कर देना चाहिए और उस बैन का विरोध किसने किया, Ms. Ankhi Das, जो इंडिया के फेसबुक हैड हैं और उन्होंने क्या कहा कि हमें भारत की रुलिंग पार्टी के जो मोदी जी की पार्टी है, भारतीय जनता पार्टी के लोगों को बैन नहीं करना चाहिए, क्योंकि हमारे बिजनेस प्रोस्पेक्ट इसमें हर्ट होंगे।

यही नहीं कि अभी उन्होंने इस चीज को कहा है, 2018 के अंदर 22 से 26 नवंबर के बीच में हमारे देश के अंदर एक चैनल है, जिसका नाम है NewsClick और Paranjoy Guha इसको चलाते हैं। इन्होंने 5 सीरीज के अंदर कुछ लोगों को आईडेंटिफाई किया, वो कुछ लोग, जो कि अभी भी फेसबुक और वॉट्सऐप के अंदर हैं और इनके मैन लिंक भारतीय जनता पार्टी और फेसबुक के आपस के अंदर है, Ankhi Das का नाम उसके अंदर मैशन है। एक शिवनाथ ठकराल का नाम उसके अंदर मैशन है, उन लोगों ने हिरेन जोशी और बीजेपी के साथ मिलकर 'मेरा भरोसा कैम्पेन', नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी के लिए उनका कैम्पेन लाँच किया है। आज वो Ankhi Das हमारे देश के अंदर फेसबुक और साथ साथ वॉट्सऐप के हैड बने हुए हैं।

हम भारतीय जनता पार्टी से ये पूछना चाहते हैं कि वो बताएं कि डॉ. रश्मि दास जो कि जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के एबीवीपी की प्रेजिडेंट रही हैं, जिन्होंने जेएनयू के वॉयलेंस को अपने एक इंटरव्यू में सही बताया, उनके Ankhi Das के साथ में उनके क्या संबंध हैं, किस तरह से वो उनके रिश्तेदार हैं? ये इस बात को जरा भारतीय जनता पार्टी बताए, क्योंकि उनके अपने एबीवीपी के अपने ऑफिस बेयरर हैं, जिनके अपने नजदीकी रिश्तेदार के Ankhi Das हैं, जिन्होंने फेसबुक को हैड करते हुए रोक दिया कि किसी भी तरह से इन 4 लोगों के ऊपर कार्यवाही, जिन्हे उनके अपने पोलिसिंग डिपार्टमेंट में पाया तो उन्होंने उस चीज को रोक दिया, तो हम जानना चाहते हैं कि क्या संबंध हैं इन लोगों के आपस में?

दूसरा साथ-साथ ये भी बताएं, इसके अंदर बड़ा साफ लिखा है कि बिजनेस इंटरस्ट इसके अंदर उसका हार्म होगा, तो आज हम ये भी जानना चाहते हैं कि वो क्या बिजनेस इंटरस्ट है, जो कि फेसबुक को, वॉट्सऐप को आगे देने के लिए यह एक तरीके से डिल (deal) हो रही है कि आप हमारे देश के अंदर हिंदुस्तान में माहौल

खराब करें, घृणा का माहौल बनाएं, पोलोराइज करें, हमारे समाज को जाति और धर्म के आधार पर बाटें, जो बीजेपी-आरएसएस का ऐजेंडा है और उसके बदले में हम आपको हिंदुस्तान के अंदर जो इतनी बड़ी मार्केट हैं, उसका फायदा पहुंचाते हैं, तो हम जानना चाहते हैं कि वो बताएं Ankhi Das वो क्या बिजनेस इंटरस्ट है, जिसको पूरा करने के लिए पूरी तरह से एक आजादी, एक तरीके से फेसबुक और वॉट्सऐप ने भारतीय जनता पार्टी और उनके नेताओं को दिया है कि वो पूरी तरीके से इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें और हमारे समाज, देश में घृणा का माहौल और तेजी से फैलाएं?

साथ ही साथ आज कांग्रेस पार्टी ये मांग करती है, दो चीजें, बड़ी स्पष्ट हैं- इसी प्रकार से जब एल्लिगेशन फेसबुक के ऊपर ब्राजील के अंदर, यूनाईटेड स्टेट्स के अंदर इसी प्रकार जिस वक्त लगा था, जब वहाँ पर यूनाईटेड स्टेट्स के अंदर भी सीनेट के अंदर जो इनके फेसबुक के हैड हैं, इंटरनेशनल हैड, उनको बुलाकर, समन करके जो इनके फेसबुक के हैड हैं, इंटरनेशनल के हैड हैं, उनको बुलाकर समन करके उनसे पूछताछ की गई थी। ब्राजील में भी इसी तरह से पार्लियामेंट्री इन्क्वायरी की गई, जब ब्राजील के अंदर इसी प्रकार से बात हुई।

आज कांग्रेस पार्टी ये मांग करती है कि इसके लिए जेपीसी को बैठाया जाना चाहिए और ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी इस बात को इन्वेस्टिगेट करे कि क्या फायदा फेसबुक और वॉट्सऐप को पहुंचाने के लिए ये कोशिश की जा रही है? साथ-साथ किस प्रकार से फेसबुक और वॉट्सऐप भारत के अंदर भाजपा को चुनाव के अंदर मदद करने के लिए और साथ ही साथ घृणा का एक माहौल पैदा करने के लिए किस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी इस बात को आगे बढ़ा रही है?

इसके साथ ही साथ तीसरी चीज जो फेसबुक और वॉट्सऐप के इंप्लोई है, उनके पुराने संबंध किस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी और उनके नेताओं से है, किस प्रकार से अलग-अलग समय के ऊपर उन्होंने उनकी मदद की हुई है और आज वो फेसबुक और वॉट्सऐप के शीर्ष पदों पर बैठे हैं, केवल इसलिए कि उन्होंने उसके पहले और अभी भी भाजपा के साथ, मोदी जी के साथ उनके संबंध हैं और वो उनकी मदद से, भारतीय जनता पार्टी की सरकार की मदद से फेसबुक और वॉट्सऐप को धन-दौलत का फायदा, रिसोर्सेस का फायदा पहुंचाना चाहते हैं, उसके बदले भारत के अंदर घृणा का माहौल और चुनाव के अंदर भाजपा को मदद करना चाहते हैं। तो एक बड़ा सीधा और स्पष्ट इसकी जांच होनी चाहिए, आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इसकी मांग करती है और जेपीसी के द्वारा होनी चाहिए।

इसके साथ ये भी मांग है कि फेसबुक इंटरनेशनल के साथ कि फेसबुक इंटरनेशनल को भी जो फेसबुक हैडक्वार्टर के अंदर उन्होंने अपने अंदर अपने हैड क्वार्टर के अंदर जांच स्थापित करनी चाहिए ताकि The Wall Street Journal के अंदर मुद्दे रेज(raise) हुए हैं, आज कांग्रेस पार्टी जो मुद्दे रेज कर रही है, उसको अच्छे तरीके से एग्जामिन करा जा सकें, ताकि हिंदुस्तान को ही नहीं, पूरी दुनिया की जनता को बताया जा सके कि वास्तविकता क्या है? ये भारत की बात नहीं है, फेसबुक की पूरे विश्व के अंदर क्रेडिबिलिटी की बात है, क्योंकि आज भारत के अंदर फेसबुक यूजर्स की कुल संख्या 28 करोड़ है और जो कि दुनिया के अंदर हर दूसरे देश हैं से कहीं ज्यादा है, हमारे बाद दूसरे नंबर पर यूनाईटेड स्टेट ऑफ़

अमेरिका है, जहाँ केवल 19 करोड़ हैं, हमारे 9 करोड़ फेसबुक यूजर्स आगे हैं। उसके बाद इंडोनेशिया में 13 करोड़ है, मैक्सिको के अंदर 8.6 करोड़ हैं। तो आप सोच सकते हैं कि हम लोग इन सबसे कहीं ज्यादा आगे हैं, तो आज फेसबुक की विश्वसनियता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है, उनके अपने रुल्स को जब फोलो नहीं किया जा रहा है, इस बात का प्रश्न इनके ऊपर लग गया है तो हम ये उम्मीद करते हैं कि फेसबुक हैड क्वार्टर इसकी जांच करे। जो लोग भी इसमें दोषी पाए गए हैं, जो भी फेसबुक और वॉट्सऐप के अंदर काम करने वाले लोग हैं, उनका किसी भी तरह से भाजपा के साथ संबंध है, उनको तत्काल प्रभाव से हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि जिनके भाजपा के साथ पुराने संबंध हैं, उनसे आप किस तरह से निष्पक्षता की उम्मीद कर सकते हैं?

जिस तरह से हमारे देश में अलग-अलग सवैधानिक संस्थानों को कोम्प्रोमाईज किया गया है, उसी प्रकार से अगर विश्व स्तर के ऊपर अगर अमेरिका के संचालित होने वाली इस प्रकार से फेसबुक, वॉट्सऐप के अगर हमारे इंडिया हैड को भी इसी प्रकार से भाजपा के कहने के ऊपर अपोयंट किया जाएगा तो मैं नहीं समझता कि किसी प्रकार से विश्वसनियता इस प्रकार के सोशल प्लेटफार्म में हमारे देश में रह जाएगी और लोगों का विश्वास इस प्लेटफार्म से टूट जाएगा, अगर इन लोगों पर एकदम से कार्यवाही इसमें नहीं होती। तो हम दो चीजें मांग करते हैं, जैसे हमने कहा कि जेपीसी होनी चाहिए, इन सब चीजों के ऊपर जांच होनी चाहिए और साथ-साथ फेसबुक हैडक्वार्टर द्वारा भी इन सब चीजों के ऊपर जांच होनी चाहिए।

मैं इसके साथ ये भी बताना चाहता हूँ कि समय-समय के ऊपर इससे पहले भी कांग्रेस पार्टी ने अलग-अलग समय पर फेसबुक को वार्न किया है। पर्सनल लेवल के ऊपर हमारे देश में, अमेरिका में यूएस के अंदर भी जाकर पर्सनल लेवल पर मिलकर इन बातों के रखा है। प्रवीन चक्रवर्ती जी तीन ऐसे मामले बताते हैं जब तीन बार इन्होंने पर्सनल लेवल पर फेसबुक से इन सब चीजों को टेकअप किया और ये खुद अपनी जुबानी बताएंगे कि किस प्रकार से उनको वहाँ पर सामना करना पड़ा। रोहन गुप्ता जी ने इसी वर्ष अप्रैल में फेसबुक को ईमेल लिखा, उसको भी हम आपसे सांझा करेंगे और रोहन गुप्ता जी बताएंगे कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मैबर ने इस बात को उठाया कि किस प्रकार से फेसबुक भारत में घृणा फैला रहा है, किस प्रकार से वॉट्सऐप का इस्तेमाल, फेसबुक का इस्तेमाल चुनाव के अंदर भारतीय जनता पार्टी को मदद करने के लिए किया जा रहा है, तो उस बात को भी रोहन गुप्ता जी ने ईमेल के द्वारा फेसबुक और वॉट्सऐप को बताया, तो वो भी डिटेल में आपको बताएंगे, आपसे सांझा करेंगे। किस प्रकार से हमने फेसबुक को अलग-अलग समय के ऊपर हमारे डेटा डिपार्टमेंट ने, हमारे प्रवीन चक्रवर्ती जी ने अलग-अलग समय पर उठाया है, मैं अनुरोध करता हूँ, वो इसके बारे में बताएं, फिर रोहन गुप्ता जी हमारे सोशल मीडिया डिपार्टमेंट ने इसको उठाया है और कांग्रेस वर्किंग कमेटी की भावना को उन तक पहुंचाया है, तो उस पर चर्चा करेंगे, फिर हम आपके प्रश्न लेंगे।

Shri Praveen Chakravarty said- Yesterday was a unique day. We celebrated our Independence and freedom from the British. But later in the day, a reputed American newspaper told us how we Indians are not truly free yet. How hundreds of millions of Indians are controlled, divided and manipulated

through fake news and hate speech propagated by the ruling party through the American social media giant, Facebook.

I am going to quote certain lines verbatim from the Wall Street Journal story yesterday. "Ms. Ankhi Das of Facebook India has provided the BJP with favourable treatment on election related issues".

Another line "Facebook deleted some of the BJP MLA's hate speech posts after the Wall Street Journal asked about them".

I am not saying this. The Congress party is not saying this. A respected American newspaper is saying this. This is as crystal clear about Facebook's interference in Indian elections as there can be.

We must ask - What gave Facebook the guts and the gumption to intrude, interfere and intervene in the world's largest democratic exercise?

First and foremost, we must remember that this is not just about Facebook. Facebook also owns Whatsapp. Facebook and Whatsapp control information, news and communication for hundreds of millions of Indians. And the BJP controls Facebook and Whatsapp in India.

But all this is not new to us. Over the past few years, we had consistently raised the issue of bias and nexus between Facebook's India leadership team and the BJP. We had many formal meetings with the company. Let me give you just 3 specific instances out of the many.

I met with Facebook's Global Head of Government Relations and Elections on 17th July 2018 in America and discussed the issue of bias and partisanship of their India team. I was told this would be looked into, but nothing happened.

On 12th October 2018, me and a few of my party colleagues met with Facebook India's Head of Government Relations. In that meeting, we highlighted how Facebook India is blocking the Congress party and denying permission to put ads on Facebook regarding the Rafale issue. We also raised many instances and cases of clear bias and presented evidence. The executive feigned ignorance and promised to look into the matter. Nothing happened.

A few weeks later, I met with the global CEO of Whatsapp and raised concerns over fake and hate speech spreading unchecked through Whatsapp. I implored him to take serious notice of this and warned that such rampant spread of fake and hate propaganda during elections amounts to interference in India's elections. He heard me politely but did nothing.

I was not surprised that no action was taken since Whatsapp was waiting for government permission and a license to start their payments business in India, which was the only way they would make money through Whatsapp

I have cited these instances just to show how the story yesterday in the Wall Street Journal is a mere confirmation of what we always knew. But no one in India was brave enough to report it then.

The bias and alignment of the Facebook India's leadership team with the BJP and RSS is not limited to just their Head of Public Policy in India. There are many others in that leadership team with a close working relationship with people in the BJP.

There is clear and ample evidence to warrant a serious investigation by Facebook Headquarters into the operations of their India team and their efforts in interfering in India's electoral democracy.

The United States Congress has summoned Facebook CEO Marc Zuckerberg and investigated its role in election manipulation. The UK has issued warnings to Facebook. Facebook has been accused in Brazil of similar interference.

India's rich electoral democracy cannot be sacrificed at the altar of Facebook and Whatsapp. There must be a serious Joint Parliamentary Committee to probe into these matters further.

श्री रोहन गुप्ता ने कहा कि जैसा कि माकन जी और प्रवीण जी ने बताया कि फेसबुक और वॉट्सऐप देश में जो सोशल मीडिया प्लेटफार्म हैं, उसमें सबसे बड़े प्लेटफार्म हैं, माकन जी ने जो आंकड़ा दिया कि करीब 28 से 30 करोड़ लोग फेसबुक पर हैं और उससे भी कहीं ज्यादा 40 करोड़ के आस-पास लोग वॉट्सऐप पर हैं इस देश में। मतलब इस देश की जनता ने इन दोनों प्लेटफार्म पर, तीसरा प्लेटफार्म है इंस्टाग्राम, जो युवा वर्ग में काफी फेमस है। इन पर देश की जनता ने भरोसा रखा। जिस तरह से खबरें आ रही हैं, The Wall Street Journal में और जिस प्रकार से प्रवीण जी और माकन जी ने बात की, कहीं ना कहीं फेसबुक ने देश का भरोसा तोड़ा है। हमने कई बार जैसे फेसबुक से जैसे प्रवीण जी ने कहा, मैंने भी फेसबुक इंडिया से अप्रैल में Ankhi Das जी को मेल लिखा कि जिस प्रकार से, मैं आपको पढ़कर बताता हूँ, Dear Ms. Das, we are deeply worried about rise of hate speech, misinformation, communal posts and fake news on facebook, Instagram and WhatsApp. In recent meeting of Congress Working Committee, Chief Ministers of opposition ruled states and senior Members of Parliament have expressed grave concern in the rise of fake news on social media and attempt to polarise the Indian politics.

हमने काफी बार, उसके बाद उनके साथ हमारी मीटिंग हुई, Ankhi Das जी और उनकी पूरी टीम, फेस बुक और वॉट्सऐप इंडिया की टीम थी। 15 मई को हमने मीटिंग की, काफी हमने उदाहरण दिया। उन्होंने हमें ये कहा कि हमारी पॉलिसी में ये नहीं आ रहा है। हमने ये भी बताया कि अगर वॉट्सऐप में 40 करोड़ लोग हैं और अगर रिपोर्टिंग की कोई मैकेनिज्म नहीं है, हम सब ये जानते हैं कि हमारा देश एक संवेनशील देश है, जहाँ कहीं पर कोई गलत चीज डाली गई, बाय दी टाइम आप उसको रिपोर्ट करें, पहले ही उसका जो नुकसान देश को होना है, वो हो गया होगा। हमने काफी बार देखा कि किस प्रकार से देश में ऐसे काफी

मामले हुए हैं, जहाँ फेसबुक और वॉट्सऐप जिम्मेदार हों। हमें लगा कि ये पॉलिसी की बात कर रहे हैं, हमें लगा पर कुछ नहीं हुआ। ये 15 मई को हमारी मीटिंग थी, उसके बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। आज जब ये खबरें आ रही हैं, कल जो खबरें आ रही हैं, तब इस बात की पूर्ति हो रही है कि ये ऐसे ही नहीं हो रही है। ये मैं कहना चाहूंगा कि फेसबुक इंडिया का साथ और भाजपा-आरएसएस का विकास, ये चीज हमें देखने को मिल रही है। भाजपा के दो हथियार हैं, नफरत और झूठ। मुझे लगता है कि फेसबुक और वॉट्सऐप ये नफरत और झूठ फैलाने के हथियार बने और जिस प्रकार से आज भी फेसबुक इंडिया के द्वारा मैं काफी उदाहरण दे सकता हूँ कि जिस तरह से हेट न्यूज और फेक न्यूज फैलाए जा रहे हैं, आज भी वो प्लेटफार्म, आज भी वो हैंडल, आज भी वो नेता फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हैं, वॉट्सऐप पर हैं और किसी भी प्रकार की कार्यवाही उन पर नहीं हुई।

आखिरी चीज मैं कहना चाहूंगा कि वॉट्सऐप पर 40 करोड़ लोग हों और हमारे पास ये भी मैकेनिज्म ना हो कि हम गलत न्यूज को रिपोर्ट कर पाएं, आप मुझे बताएं कि इससे खतरनाक चीज देश के लिए क्या हो सकती है? जिस प्रकार से ये कहानी पूरी आ रही है, The Wall Street Journal में मुझे लगता है कि जो माकन जी ने कहा कि पार्लियामेंटी कमेटी की बात हो और फेसबुक ग्लोबल की ये जिम्मेदारी है कि आपकी विश्वसनीयता खतरे में है, विश्व का सबसे बड़ा मार्केट, जहाँ आपके ऊपर भरोसा किया गया, अगर उसकी जनता के साथ कहीं ना कहीं धोखा हो रहा है, आपकी जिम्मेदारी है कि तुरंत एक्शन लिए जाएं, जो भी जिम्मेदार पाए जाएं आपकी पॉलिसी वॉयलेशन में, इंटरनेशनल, अनइंटरनेशनल जो भी हों, आप उसके ऊपर एक्शन लीजिए।

आने वाले दिनों में ये फेसबुक और वॉट्सऐप की बात नहीं है, जितने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म भारत में है, मैं सबसे कहना चाहूंगा आपकी विश्वसनीयता खतरे में है। देश की जनता से कहना चाहूंगा कि जो भी दिखाया जाता है, कृपया उसको वैरीफाई करके ही उस पर भरोसा कीजिए। ये हम आपकी, सबकी भारतीयता की बात है, भारत की एकता की बात है। कल स्वतंत्रता दिवस था, हमें मिलकर आजादी को संभालना होगा और भाजपा का जो प्रोपोगेंडा है नफरत और झूठ का, उससे देश को बचाना होगा, ये हमारी जिम्मेदारी है। मैं आखिरी में सिर्फ ये कहूंगा कि फेसबुक इंटरनेशनल, फेसबुक ग्लोबल को अपनी विश्वसनीयता बचाने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाकर हकीकत और सत्य बाहर लाना चाहिए।

फेसबुक के सन्दर्भ में पूछे एक प्रश्न पर श्री माकन ने कहा कि जब ऑटोमेटिक गेयर नहीं आया था तो गाड़ी के अंदर 1-2-3-4 अलग-अलग गेयर होते थे। तो आज पहला गेयर है, आज हम लोगों ने पहली डिमांड है और हम ये उम्मीद करते हैं, क्योंकि इतनी बड़ी बात हुई है और जेपीसी इस पर सरकार को जरूर बैठानी चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि फेसबुक ग्लोबल को खुद की अपनी विश्वसनीयता को बचाने के लिए उनको अपने लेवल के ऊपर इन्क्वायरी करनी चाहिए। इससे भारत ही अकेले प्रभावित नहीं होगा, अगर फेसबुक की विश्वसनीयता के ऊपर इस तरीके से प्रश्नचिन्ह लगाए जाएं कि वो अपने ही रूल्स को फॉलो नहीं कर रहे, उनके अपने ही रूल्स को, उनकी अपनी कंट्री हेड है जो ये कह रहे हैं कि हमारा कॉमर्शियल इंस्ट्रुमेंट इससे हर्ट होगा अगर हम अपने रूल्स को इम्प्लीमेंट करेंगे, तो इसकी जवाबदेही तो फेसबुक को करनी पड़ेगी और हमें पूरी उम्मीद है कि एक प्रिंसीपल अपोजीशन पार्टी होने के नाते आज जो

हम लोगों ने इस बात को उठाया है, जिस तरीके से प्रवीण चक्रवर्ती ने अब तक तीन पुरानी मीटिंग्स का हवाला दिया है, रोहन गुप्ता जी ने कंट्री हेड को किस तरीके से अपनी पार्टी की सोच को पहले बताया है। हम पूरी उम्मीद करते हैं कि यही दबाव काफी होना चाहिए जिससे फेसबुक मजबूर होकर ये क्योंकि उनकी अपनी विश्वसनीयता की बात है, उनके अपने रूल्स की क्रेडिबिलिटी की बात है और वे जरूर इस चीज के ऊपर कार्यवाही करेंगे। अगर नहीं करते तो फिर उसके आगे के लिए हमारे रास्ते फिर और खुले हुए हैं, उसमें हम देखेंगे कि क्या कर सकते हैं लेकिन हम पहली बार आज हमारी ये मांग है तो हम उम्मीद करते हैं कि फेसबुक इसको जरूर मानेगा और जेपीसी की भी सेटअप इस पर जरूर किया जाएगा, हम ये उम्मीद करते हैं।

जब ब्राजील में पार्लियामेंटरी कमेटी इस पर जांच कर सकती है, जब यूएस के अंदर सीनेट वहाँ पर इलेक्शन के अंदर इस तरीके इंटरफियरेंस की बात को जैसे ही पता चलता है बुलाकर उनसे पूछ सकती है, पूछताछ कर सकती है, तो भारत का लोकतंत्र तो ब्राजील और यूएस से ज़्यादा मज़बूत होना चाहिए। यहाँ पर अगर किसी तरीके से सीधे-सीधे हम लोगों को पता चला है और इंटरनेशनल लेवल के ऊपर जब ये बात चर्चा में आई है तो मेरे ख्याल से भारतीय संसद भी इसको उठाएगा और फेसबुक ग्लोबल भी इसको उठाएगा, ऐसा हमको लगता है।

In reply to another question, Shri Maken said- What is our main demand-our main demand is for the JPC. We are not going to Delhi Police or CBI or for any other place for investigation. We want this investigation to be done at the highest level by the Joint Parliamentary Committee. That is the reason, why we are asking for JPC. So, if we are asking for a JPC to be constituted, to investigate into all these things and what we are asking to investigate:-

1. The commercial deal into it.
2. How the Facebook has influenced the elections and spreading hatred among the Indian people?
3. How the Facebook and WhatsApp employees are connected with the BJP?

So, all these three fair important aspects have to be looked into and we are asking for a JPC, which is the highest in the country. So that is why, we are asking for the JPC because we feel that this matter is so serious that it should not be investigated anything lesser than the JPC. So, that is the reason why as the principal opposition party, the Congress today is demanding for a JPC to be constituted to look into all these important aspects of the Facebook. So, more can be the seriousness of an opposition party when we are demanding a JPC for this.

एक अन्य प्रश्न पर कि आपको जेपीसी से ही क्यों आस है, श्री माकन ने कहा कि जेपीसी से इसलिए आस है, क्योंकि जेपीसी एक तो हाईएस्ट बॉडी है, जब हम संविधान की रक्षा की बात कर रहे हैं, देश के लोकतंत्र की रक्षा की बात कर रहे हैं तो लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेपीसी से ज्यादा बेहतर कोई भी और बॉडी नहीं हो सकती है, इसलिए हम इस बात को रख रहे हैं। दूसरा, आपने देखा होगा प्रवीण चक्रवर्ती जी ने बताया कि किस तरह से अलग-अलग समय पर यूएस जाकर उन्होंने इस बात को उठाया, रोहन गुप्ता जी ने बताया कि किस प्रकार से सीधा कंपनी हैड को Ankhi Das को पत्र लिखकर, किस तरह से उन्होंने इस बात को उठाया, तो ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने इस बात को पहले नहीं उठाया, कांग्रेस लगातार इस बात को उठाती जा रही है। लेकिन अब जब फेसबुक के अंदर इंटरनल प्रोसिडिंग की चर्चा अब अखबार में खुलकर आई है कि किस प्रकार से इंडियन हैड ने ये कहा है कि इससे कमर्शियल हम लोगों का नुकसान हो जाएगा, अगर हम रूलिंग पार्टी के नेताओं के खिलाफ एक्शन लेंगे। तो ये मैटर बहुत गंभीर हो गया है, इससे ये बड़ा स्पष्ट हो जाता है कि राजनीतिक स्तर पर जब हम पहले इनसे बात करते रहे, वो काफी नहीं है, तो अब इसलिए जेपीसी के अंदर इसकी जांच होनी चाहिए और कोई तरीका नहीं है कि सच्चाई तक पहुंचा जा सके। फेसबुक हैडक्वार्टर को भी इसे देखना चाहिए और हम उम्मीद करते हैं कि फेसबुक हैडक्वार्टर इसे देखेगा, क्योंकि उनकी विश्वसनीयता की बात है, तो उसको भी दूर करने के लिए उनका अपना कर्तव्य है और हम उम्मीद करेंगे कि वो भी करें।

On another question that the manipulated content provided by WhatsApp and Facebook led to the loss of Congress in previous Lok Sabha elections so badly, Shri Maken said- We are not only talking about the elections. We are talking about the continuous hatred spread by these platforms, which is more important for us. Winning or losing elections come and go, but, more important is the spread of communal hatred in our Indian society. So, this is something, which is dangerous and this is something which the rules of Facebook also prevent. Impacting the elections is also something which is directly impacting our own democratic process. This is also very serious but, we shouldn't see it only through the prism of losing or winning the elections. They are basically attacking the very roots of Indian Democracy, number one by impacting our electoral process, by impacting the minds of people, also spreading the hatred and polarising the society. So, it is not a very small thing, which they are doing. They are basically attacking the very roots of Indian democracy and this is why it is very serious and this is why it should be taken up at place not lesser than the JPC.

एक अन्य प्रश्न पर कि राहुल गांधी जी ने इस बात को ट्वीट किया और आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस भारत में फेसबुक-वॉट्सऐप को कंट्रोल करते हैं, इस पर कानून मंत्री रविशंकर का जवाब आया है, क्या कहेंगे? श्री माकन ने कहा कि अगर उन्होंने जो जवाब दिया है और अगर उनका ये कहना है कि उनके लोग किसी तरीके से सीधे-सीधे शामिल नहीं हैं तो फिर जेपीसी से क्यों डरते हैं? जेपीसी करा लें, सीधे के सीधे, दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा, सबके सामने आ जाएगा, जेपीसी से क्यों डरते हैं? दूसरा, जो प्रश्न हमने सीधे पूछे हैं कि शिवनाथ ठकराल के जो अभी फेसबुक को हैड कर रहे हैं, उनके

भाजपा के साथ क्या संबंध हैं, क्या उन्होंने भाजपा की मदद, मोदी जी की मदद चुनावों के दौरान इससे पहले नहीं की थी? जब हम पूछ रहे हैं कि Ankhi Das की क्या कोई रिश्तेदार एबीवीपी की प्रेजिडेंट हैं, जिन्होंने जेएनयू के वॉयलेंस को सही बताया, क्या ये बात सच है या नहीं है? हम उनसे ये पूछ रहे हैं क्या इसका जवाब वो दे रहे हैं। अपनी बात का जवाब नहीं देना और दूसरों से सवाल पूछें। उनको ये समझना चाहिए की वो अपोजिशन में नहीं हैं, रूलिंग है, जवाब उनको देना है। प्रश्न हमें पूछना है जो कि हम अपोजिशन हैं और साथ-साथ में जब ये बात सामने आती है कि उनके अपने इंटरनल फेसबुक के, अपने इंटरनल मैकेनिज्म के माध्यम से बात सबके सामने सर्वविदित होती है कि इनके अपने इम्प्लोई ये कहते हैं कि 4 लोग स्पष्ट पाए गए कि उनके रूल्स को वायलेट कर रहे थे और उनके खिलाफ एक्शन होना चाहिए तो क्यों नहीं उनके खिलाफ एक्शन हुआ, क्योंकि इंडियन हैड ने कहा कि हमारे बिजनेस इंटरस्ट हर्ट होगा, अगर हम रूलिंग पार्टी के मैबर के खिलाफ एक्शन लेंगे तो हमारा कमर्शियल इंटरस्ट हर्ट होगा, इनका क्या जवाब है इनके पास? तो जब हम प्रश्न पूछ रहे हैं, उनका जवाब पहले दें और अगर उनके भी कोई प्रश्न हैं तो बहुत अच्छी बात है। हमारे प्रश्न और उनके प्रश्न इक्कट्टे करके जेपीसी बना दें, वो जेपीसी इनके भी प्रश्न देख लें, हमारे भी देख लें, तो वो डरते किस बात से हैं?

एक अन्य प्रश्न पर कि जो अन्य अपोजिशन पार्टियां हैं, क्या इस मुद्दे पर कांग्रेस उनकी कोई मदद लेगी? श्री माकन ने कहा कि बिल्कुल, मेरे ख्याल से सभी अपोजिशन पार्टियों को इसमें सम्मिलित होना चाहिए, क्योंकि ये लोकतंत्र की नींव के ऊपर हमला है और जब लोकतंत्र के नींव के ऊपर और हमारे संविधान की जो सोच है, उस पर जब हमला होता है तो ना केवल एक पार्टी बल्कि सभी अपोजिशन पार्टी, सभी लाइक माईडेड पार्टियों को इसमें इक्कट्टा होना चाहिए और हम आह्वान करना चाहेंगे कि सभी ऑल पार्टी, जो लाइक माईडेड पार्टी जो हमारे साथ में चलने वाली पार्टियां हैं कि लोकतंत्र के ऊपर होने वाले इस हमले के ऊपर हमें यूनाईटेडली फाइट करनी चाहिए। जब हम जेपीसी की मांग कर रहे हैं तो जेपीसी के अंदर बाकी पार्टियां भी बराबर इसमें सम्मिलित होंगी, जब हम जेपीसी की मांग कर रहे हैं तो इससे साबित होता है कि हम सभी से उम्मीद करते हैं कि वो भी इसका एक हिस्सा बनें।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC